I

Lecture Series No:- 93.

Online class.
Date - 29/4/2020
Day - Wednesday.
Time - 10:50 to 11:40 A.M

Topic.

(1.) Non Moral Action

Dr. Surita Kumari
Department of Philosophy
B.A Part - II
Paper - (5.)
A.N.D. College Shahpur
Patory Samastipur,

Ans:- निर्जीव पदार्थों की क्रियाओं का नैतिक निर्णय सम्भव नहीं है क्योंकि उनमें इच्छा का अभाव रहता है। इसलिए वे नितिशून्य कर्म है। बादल के समय पानी बरसने को सूर्य से जाड़े में गर्मी होने को या गर्मी से हवा से ठंढक होने को उचित या अनुचित पाप या पुण्य नहीं कहा जाता उनमें नैतिक गुण का अभाव रहा है।

(2.) पौधों या पशुओं में कर्म :-

P.T.O.

Scanned with CamScanner

II

पौधों की क्रियायें भी नीतिशून्य है, उनमें भी इच्छा का अभाव है इसलिए वे आचारशास्त्र के क्षेत्र के बाहर है। कुत्ते द्वारा किसी की रोटी छिना जाना नीतिशून्य कर्म है। इसी प्रकार किसी वृक्ष के गिराए जाने से किसी मकान का ध्वस्त हो जाना भी नीतिशून्य कर्म है, इन कर्मों पर नैतिक नहीं दिया जा सकता है।

(3) अबोध बालकों के कर्म:-

जैसे बालकों की क्रियायें जिन्हें अपना या दूसरे का ज्ञान नहीं हुआ हो,

नैतिक नहीं होती। बच्चों में धर्म, अधर्म उचित अनुचित के ज्ञान विकास नहीं होता। उनकी क्रियाओं का फल क्या होगा उनको वे नहीं समझते, इसलिए

P.T.O.

उनका नैतिक निर्णय नहीं हो सकता।

(4.) पागलों या बेवकूफों के कर्म:-

मनुष्य की वैसी क्रियाओं को जो मानसिक विकार (Abnormality) के कारण हुई हो, उचित या अनुचित नहीं कहा जाता, पागलों के किसी कर्म का नैतिक दृष्टि से मूल्यांकन नहीं किया जाता। उनको तो उनको तो अपनी इच्छा या स्वयं पर कोई अधिकार नहीं रहता इसलिए वे अपनी क्रियाओं के लिए उत्तरदायी नहीं रहते, यदि कोई पागल किसी को हत्या कर देते है।

"END"